

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः  
श्रीगुरुपरनपुराधीशाय श्रीकृष्णाय परब्रह्मणे नमः

श्री मेल्लत्तुर् नारायणभट्टतिरेः कृतिषु  
॥ श्रीमन्नारायणीये पञ्चदशं दशकम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्रीमन्नारायणीये पञ्चदशं दशकम् ॥ कपिलोपदेशम्

मतिरिह गुणसक्ता वक्त्रकृतेऽसक्ता  
एरमृतकृदुपरुक्ते भक्तियोगस्तु सक्तिम्।  
महदनुगमलभ्या भक्तिरेरात्र साध्या  
कपिलतनुरिति एरं देरहुतै न्यगादीः ॥ 15.1 ॥

प्रकृतिमहदहक्काराश्च मात्राश्च भूता -  
न्यपि ह्रदपि दशार्क्षी पुरुषः पञ्चरिंशः।  
इति रिदितरिभागो मुच्यतेहसौ प्रकृत्या  
कपिलतनुरिति एरं देरहुतै न्यगादीः ॥ 15.2 ॥

प्रकृतिगतगुणैर्नाज्यते पुरुषोऽहयं  
यदि तु सजति तस्यां तदगुणास्तुं भजेरन्।  
मदनुभजनतद्बालोचनैः साहप्यपेयां  
कपिलतनुरिति एरं देरहुतै न्यगादीः ॥ 15.3 ॥

रिमलमतिरुपातैरासनादैर्यमदङ्गं  
गरुडसमधिरेचं दिर्यभूषायुधाङ्गम्।  
रुचितुलिततमालं शीलयेतानुरेलं  
कपिलतनुरिति एरं देरहुतै न्यगादीः ॥ 15.4 ॥

मम गुणगणलीलाकर्णनैः कीर्तनादैः  
मयि सुरसरिदोषप्रख्यचित्तानुबृत्तिः।

ভরতি পরমভক্তিঃ সা হি মৃত্যোর্বিজেরী  
কপিলতনুরিতি ৳রং দেৱহুতৈ ন্যাগাদীঃ ॥ 15.5 ॥

অহহ বহ্লহিংসাসঙ্কিতার্থৈঃ কুটুম্বং  
প্রতিদিনমনুপুষ্পন্ স্ত্রীজিতো বাললালী।  
ব্রিশতি হি গৃহসক্তো যাতনাং ময্যভক্তঃ  
কপিলতনুরিতি ৳রং দেৱহুতৈ ন্যাগাদীঃ ॥ 15.6 ॥

যুরতিজঠরখিন্নো জাতবোধোহপ্যকাণ্ডে  
প্রসরগলিতবোধঃ পীডযোল্লঙ্ঘ্য বাল্যম্।  
পুনরপি বত মুহ্যত্বেৱ তারুণ্যকালে  
কপিলতনুরিতি ৳রং দেৱহুতৈ ন্যাগাদীঃ ॥ 15.7 ॥

পিতৃসুরগণযাজী ধার্মিকো যো গৃহস্থঃ  
স চ নিপততি কালে দক্ষিণাধ্বরোপগামী।  
মযি নিহিতমকামং কর্মতুদকপথার্থং  
কপিলতনুরিতি ৳রং দেৱহুতৈ ন্যাগাদীঃ ॥ 15.8 ॥

ইতি সুরিদিত রেদ্যাং দেৱ হে দেৱহুতিং  
কৃতনুতিমনুগৃহ্য ৳রং গতৌ যোগিসঙ্ঘৈঃ।  
ব্রিমলমতিরথাহসৌ ভক্তিযোগেন মুক্তা  
৳রমপি জনহিতার্থং র্তসে প্রাগুদীচ্যাম্ ॥ 15.9 ॥

পরম কিমু বহুক্ত্যা ৳রংপদাম্ভোজভক্তিং  
সকলভয়রিনেত্রীং সর্ৱকামোপনেত্রীম্।  
ৱদসি খলু দৃঢ়ং ৳রং তদ্বিধূযামযান্ মে  
গুরুপৱনপুৱেশ ৳রয্যুপাধৎস্ব ভক্তিম্ ॥ 15.10 ॥

॥ ইতি শ্রীমন্নारायणीये पञ्चदशं दशकं समाप्तम् ॥